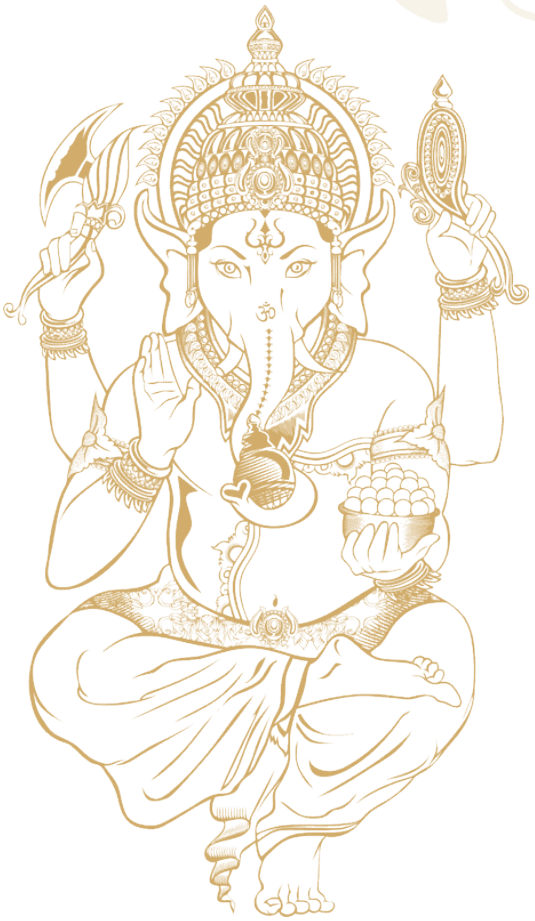

Kunal Deepali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121052003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1996	जन्म तिथि	6-07/08/1997
शुक्रवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 14:07:00	जन्म समय	05:00:00 घंटे
घटी 20:13:36	जन्म समय(घटी)	58:05:59 घटी
India	देश	India
Palwal	स्थान	Panipat
28:09:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:20:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:40	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:33	सूर्योदय	05:45:01
18:37:00	सूर्यास्त	19:10:29
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 6मा 9दि	05:10:16	धनु	लग्न	कर्क	10:12:06	सूर्य 4वर्ष 3मा 25दि
गुरु	20:12:51	सिंह	सूर्य	कर्क	20:41:36	राहु
17/03/2013	07:45:30	मिथु	चंद्र	कन्या	00:24:01	02/12/2018
17/03/2029	04:00:04	कर्क	मंगल	तुला	01:42:18	01/12/2036
गुरु 06/05/2015	09:26:55	कन्या व	बुध	सिंह	17:43:35	राहु 14/08/2021
शनि 16/11/2017	14:01:13	धनु	गुरु व	मक	23:30:52	गुरु 08/01/2024
बुध 22/02/2020	05:16:51	कर्क	शुक्र	सिंह	23:30:09	शनि 14/11/2026
केतु 28/01/2021	11:41:27	मीन व	शनि व	मीन	26:30:49	बुध 02/06/2029
शुक्र 29/09/2023	14:28:40	कन्या व	राहु	सिंह	26:13:11	केतु 20/06/2030
सूर्य 17/07/2024	14:28:40	मीन व	केतु	कुंभ	26:13:11	शुक्र 20/06/2033
चन्द्र 16/11/2025	07:16:56	मक व	हर्ष व	मक	12:32:54	सूर्य 15/05/2034
मंगल 23/10/2026	01:24:27	मक व	नेप व	मक	04:18:04	चन्द्र 14/11/2035
राहु 17/03/2029	06:43:24	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:00:58	मंगल 01/12/2036

लग्न-चलित

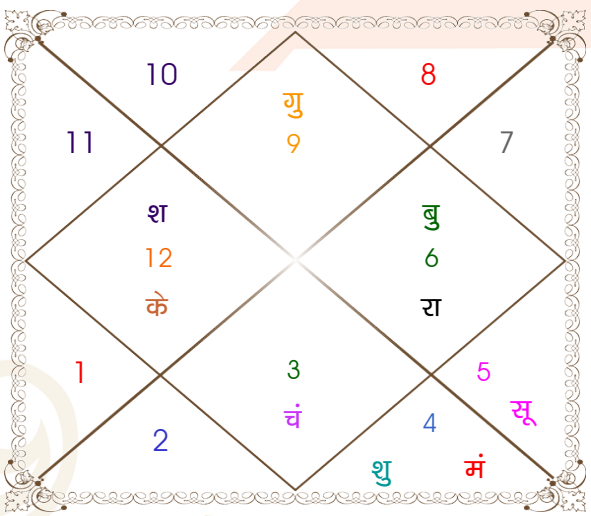

लग्न-चलित

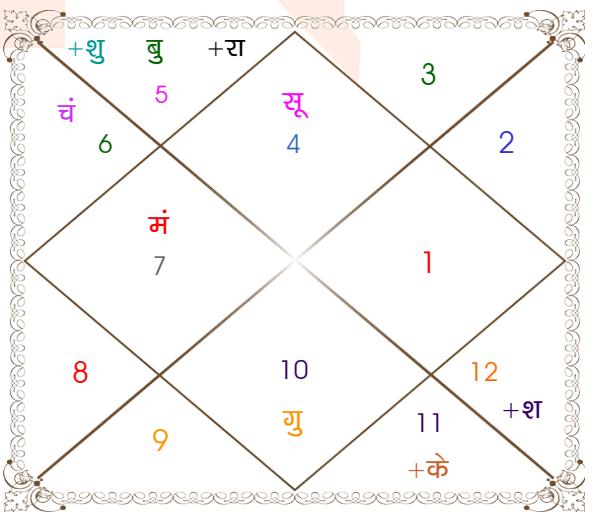

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ज्ञनदंस का नक्षत्र आर्द्रा है।

ज्ञनदंस का वर्ग मार्जार है तथा Deepali का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनदंस और Deepali का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनदंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ञनदंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Deepali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ज्ञनदंस कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञनदंस तथा Deepali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।